

राज्य पात्रता परीक्षा-सेट-2024
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इन्दौर
ऐच्छिक प्रश्न पत्र -II

विषय: संगीत

पाठ्यक्रम

हिन्दुस्तानी (गायन, वादन और संगीतशास्त्र).

अथनद्ध

नोट :-

- इकाई - 1, 2, 3, 4 संगीत की सभी विधाओं के लिए
- इकाई - 5 से 10 संगीत की विशिष्ट विधाओं के लिए

Shane

इकाई-1 पारिभाषिक शब्दावली :

संगीत, नादः आहृत एवं अनाहृत नादः ध्रुति एवं इसकी पाँच जातियाँ, सप्त वैदिक स्वर, गान्धर्व में प्रयुक्त सप्त स्वर, शुद्ध एवं विकृत स्वर, वादी-सम्वादी-अनुवादी-विवादी, सप्तक, आरोह, अवरोह, पकड़ / विशेष संचार, पूर्वांग-उत्तरांग, औडव-षाडव-सम्पूर्ण, वर्ण, अलंकार आलाप, तान, गमक, अल्पत्व-बहुत्व, ग्रह, अंश, न्यास, अपन्यास, आविर्भाव, तिरोभाव, गीतः गान्धर्व, गान; मार्ग संगीत, देशी संगीत, कुतप, वृन्द, वाग्गेयकार, मेल, थाट, राग, उपांग, भाषांग, भीड़, खटका, मुकीं, सूत, गत, जोड़, झाला, घसीट, बाज, हार्मनी और मेलौडी, ताल, लय एवं विभिन्न लयकारियाँ, हिन्दुस्तानी संगीत में प्रचलित तालें, सप्त ताल एवं 35 ताल, ताल दश प्राण, यति, ठेका, मात्रा, विभाग, ताली, खाली, कायदा, पेशकार, उठान, यत, परत, रेला, तिहाई, चक्रदार, लग्गी, लड़ी, मार्ग-देशी ताल, आवर्तन, सप्त, विषम, अतीत, अतागत, दस विध गमक, पंच दश गमक, कटपयदी योजना, 12 चक्रों के नाम, बारह स्वरस्थान, नेरवल, संगति, मुद्रा, षडंग, अन्वापना, तानम्, वाकु, अकारमात्रिक स्वरलिपियाँ।

इकाई -2 लोक संगीत :

1. भारतीय लोक गीतों की उत्पत्ति, विकास एवं बर्गीकरण
2. लोक संगीत की विशेषताएँ
3. लोक संगीत एवं लोक चायों का विस्तृत अध्ययन तथा विभिन्न प्रांतों के लोक कलाकार
4. लोक-संगीत में प्रयुक्त राग एवं ताल
5. भारत में लोक मेला एवं लोक उत्सव

इकाई-3 रस एवं सौन्दर्य

1. रस, भरत एवं अन्य विद्वानों के अनुसार रस सिद्धान्त
2. रस-निष्पत्ति एवं भारतीय शास्त्रीय संगीत में इसका अयोग
3. भाव और रस
4. स्वर, लय, ताल ताल, छन्द और शब्द रचना से रस का सम्बन्ध
5. भारतीय एवं पाश्चात्य दार्शनिक के अनुसार सौन्दर्य
6. वात्स्ययान द्वारा निर्दिष्ट चौसठ-कलाओं का सामान्य ज्ञान
7. राग-रागिनी चित्रण एवं राग-ध्यान का सामान्य इतिहास
8. ललित कलाओं का अन्तर्सम्बन्ध

इकाई - 4 शोध-प्रविधि, संशिक्षा, अन्तरसंबंधात्मक पहलु एवं आधुनिक तकनीक :

शोध प्रविधि एवं संशिक्षा : शोध का क्षेत्र, पूर्व अध्ययन की समीक्षा, उपयुक्त शोध-शीर्षक एवं शोध-समस्या का चयन, संगीत में शोध की प्रविधि, शोध-संक्षिप्तिका तैयार करना, सामग्री-संकलन एवं इसके सूत्र, सामग्री-संकलन का विश्लेषण, शोध परियोजना की रपट लिखना, शोध परियोजना का अनुक्रमण, सन्दर्भ सूची एवं ग्रन्थ सूची इत्यादि।

शोध की दिशाएँ एवं इसके अन्तर्संबंधात्मक पहलु : संगीत और साहित्य, संगीत चिकित्सा, दर्शन शास्त्र, मनोविज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित, अर्थशास्त्र, सामाजिक विज्ञान, धर्म और संस्कृति

आधुनिक तकनीक : इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कम्प्यूटर, इन्टरनेट इत्यादि।

स्वातंत्र्योत्तर-काल में भारतीय संगीत में नयी प्रवृत्तियाँ

Shane

हिन्दुस्तानी संगीत

(गायन, वादन एवं संगीत-शास्त्र)

इकाई - 5 प्रयोगात्मक शास्त्र

संगीत की उत्पत्ति का विस्तृत अध्ययन; भारतीय एवं पाश्चात्य संगीत सप्तक; ग्राम, मूर्च्छना एवं चतुःसारणा का विस्तृत अध्ययन; जाति-लक्षण, जाति श्रेण, राग की परिकल्पना, राग-लक्षण; रागों का वर्गीकरण - 1) ग्राम राग - देशी राग, 2) मेल राग वर्गीकरण, 3) थाट-राग वर्गीकरण, 4) शुद्ध, द्वायालग एवं संकीर्ण राग वर्गीकरण, 5) राग-रागिनी वर्गीकरण, तथा 6) रागांग वर्गीकरण; रागों का समय - सिद्धान्त; प्राचीन, मध्यकालीन तथा आधुनिक कालीन श्रुतियों पर शुद्ध-विकृत स्वरों की स्थापना; प्रचलित रागों एवं तालों का विस्तृत अध्ययन; हिन्दुस्तानी (पलुङ्कर एवं भातखण्डे) एवं कर्नाटक स्वरलिपि पद्धतियों, पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धतियाँ; गायक के गुण-अवगुण; कर्नाटक एवं हिन्दुस्तानी स्वरों तथा तालों का तुलनात्मक अध्ययन; प्रचलित हिन्दुस्तानी रागों के कर्नाटकी नाम; विभिन्न लयकारियों (दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़ एवं बिआड़) का ज्ञान;।

इकाई - 6 भारतीय संगीत का इतिहास, भारतीय संगीत के शास्त्रज्ञों का योगदान एवं उनकी शास्त्र-परम्परा।

वैदिक काल से आधुनिक काल तक हिन्दुस्तानी संगीत के ऐतिहासिक विकास का अध्ययन; प्राचीन, मध्यकालीन तथा आधुनिककालीन शास्त्रज्ञों - भरत, नारद, मत्तंग, सोमेश्वरदेव, जगदेकमल्ल, नान्यदेव, शारंगदेव, पार्श्वदेव, सुधाकलश, महाराणा कुम्भा, रामामात्य, दामोदर पंडित, पंडित अहोत्रल, श्रीनिवास, हृदयनारायणदेव, ब्यंकटमखी, पं. विष्णु दिगम्बर पलुङ्कर, पं. विष्णु नारायण भातखण्डे, पं. ओंकार नाथ ठाकुर, आचार्य बृहस्पति, ठाकुर जयदेव सिंह, शरच्चन्द्रश्रीधर परांजपे, भगवत शरण शर्मा, डॉ प्रेमलता शर्मा, डॉ सुभद्रा चौधरी, प्रो. आर सी मेहता, प्रो. प्रदीप कुमार दीक्षित।

प्राचीन, मध्यकालीन तथा आधुनिककालीन ग्रंथों - नाट्य शास्त्र, नारदीय शिक्षा, संगीत मकरन्द, बृहद्देशी, मानसोल्लास, संगीत चूडामाणि, भरत भाष्य, संगीत रत्नाकार, संगीत समयसार, संगीतोपनिषत्सारोद्धार, संगीतराज, स्वरमेल कलानिधि, संगीत दर्पण, संगीत पारिजात, राग तन्त्र विबोध, हृदयकौतुक, हृदयप्रकाश, चतुर्दण्डीप्रकाशिका, प्रणव भारती इत्यादि का अध्ययन।

भारतीय संगीत के क्षेत्र में पाश्चात्य शास्त्रज्ञों - कैप्टन एन. विलियर्ड, विलियम जॉन्स, कैप्टन सी.आर.डे, ई.कलेमेन्ट्स, फॉक्स स्ट्रैंगवेज, एच. ए. पोप्पे एवं एलेन डेनेल्यू का योगदान।



इकाई-7 गेय विधाएँ एवं उनका क्रमिक विकास :

प्रबन्ध, घुपद, धमार, मादरा, ब्याल, तराना, त्रिवट, चतुरंग, सरगम गीत, लक्षण गीत, रागमाला इत्यादि।
ठुमरी, दादरा, टप्पा, होरी, चैती, कजरी इत्यादि।

सुगम संगीत : गीत, गजल, भजन इत्यादि।

फिरोजखानी गत, मसीतखानी गत, रज़ाखानी गत, जफ़रखानी गत एवं इसके प्रकार।

जाति, जाबलि, कृति, तिल्लाना, रागम्, तानम्, पल्लवी।

गायन एवं वादन की उपर्युक्त विधाओं की उत्पत्ति, विकास एवं प्रस्तुति का अध्ययन।

उपर्युक्त गायन-वादन विधाओं के प्रमुख कलाकार।

इकाई-8 भारतीय संगीत वाद्य एवं इसका वर्गीकरण :

प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक काल में भारतीय संगीत वाद्यों का वर्गीकरण

प्राचीन काल में वीणा के विभिन्न प्रकार

वाद्यों के प्रकार - तत् - सितार, सरोद, वायलिन, दिलरुबा, इसराज, सन्तूर, तानपूरा, सुरबहार, गिटार

घन - जलतरंग, घटम्, मुरचंग (मोरसिंग), चिपली, मंजीरा, झांझ, करताल

सुषिर - बाँसुरी एवं इसके प्रकार, शहनाई, नागस्वरम्, हारमोनियम

अवनद्ध - पखावज, तबला, मृदंगम्, कंजीरा, खोल, चंग, नक्कारा, डफ, हुड़का, ढोलका

हिन्दुस्तानी संगीत में प्रयुक्त होने वाले वाद्यों की उत्पत्ति, विकास, वादन-तकनीक तथा इसके सुप्रसिद्ध कलाकार

इकाई-9 संगीत में रचनाकार एवं मंच प्रदर्शक / कलाकार

तानसेन, हरिदास, गोपाल नाथक, सदारंग, पं. बालकृष्ण बुआ इचलकरंजीकर, पं. विष्णु दिगम्बर पलुष्कर, पं. विष्णु नारायण भातखण्डे, उस्ताद फ़ैयाज खाँ, उस्ताद बड़े गुलाम अली खाँ, उस्ताद निसार हुसैन खाँ, उस्ताद अमीर खाँ, पं. ओंकार नाथ ठाकुर, पं. विनायक राव पटवर्धन, पं. नारायण राव व्यास, पं. सी आर व्यास, कृष्ण राव शंकर पंडित, मल्लिकार्जुन मंसूर, श्रीमती गंगूबाई हंगल, केसर बाई केरकर, उ. अब्दुल करीम खाँ, हीरा बाई बड़ोदेकर, मुहासिनी कोरेटकर, पं. बड़े रामदास, सिद्धेश्वरी देवी, बेगम अख्तर, शोभा गुर्डू, गिरिजा देवी, सचिता देवी, मोधूबाई कुर्डीकर, किशोरी अमोणकर, कुमार गन्धर्व, पं. जसराज, पं. बलवन्त राय भट्ट, पं. रामाश्रय झा।

असद अली खाँ, पं. लाल मणि मिश्र, अन्नपूर्णा देवी, निखिल बनर्जी, उ. अब्दुल हलीम जाफर खाँ, अली अकबर खाँ, शरण रानी, अमजद अली खाँ, अन्नत लाल, पन्ना लाल घोष, विजय राघव राव, रघुनाथ सेठ, हरि प्रसाद चौरसिया, अहमद पान थिरकवा, , पं. सामता प्रसाद, पं. किशन महाराज, कुदऊ सिंह, पागलदास, बृज भूषण

कावरा, विश्व मोहन भट्ट, शिव कुमार शर्मा, भजन सोपोरी, वी.जी.जोग, एन.राजम्, एम. एस. गोपाल कृष्णन, अप्पा जलगाँवकर, महमूद धौलपुरी।

पुरन्दर दास, श्यामाशाम्बी, मुत्तस्वामी दिक्षितर, त्यागराज, स्वाति तिरुनाल।

बाख, बिथोवेन, मोज़ार्ट, येहूदि मेन्यूहिन, जुबिन मेहता।

'भारतरत्न' से विभूषित कलाकार - एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी, पं. रविशंकर, उस्ताद बिस्मिल्ला खान, लता मंगेशकर एवं पं. भीमसेन जोशी।

फिल्मों में भारतीय शास्त्रीय संगीतज्ञों का योगदान।

इकाई - 10 हिन्दुस्तानी संगीत में घराना, संस्थागत शिक्षण एवं सम्मेलन

हिन्दुस्तानी संगीत में घराना की उत्पत्ति एवं विकास

संस्थागत शिक्षण-पद्धति एवं हिन्दुस्तानी संगीत में इसका योगदान

ध्रुपद की चार बानियाँ एवं हिन्दुस्तानी संगीत में इसका महत्त्व

ध्रुपद, ख्याल एवं वादन के घरानों का अध्ययन

विभिन्न घरानों की विशेषताएँ एवं उसके प्रमुख कलाकार

ठुमरी का पूरब एवं पंजाब अंग

भारत के प्रमुख शास्त्रीय संगीत सम्मेलन

संगीत के क्षेत्र में प्रमुख राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान

भारत में हिन्दुस्तानी संगीत के प्रमुख शिक्षण संस्थान, अकादमियाँ, प्रसार भारती, गीत एवं नाटक प्रभाग तथा फिल्मों का योगदान।

अवनद्ध वाद्य

इकाई - 5 प्रयोगात्मक शास्त्र-ताल एवं अवनद्ध वाद्य

तबला एवं पखावज वाद्यों पर बजने वाले वर्ण, उनकी वादन विधि एवं वर्ण संयोग से बतने वाले शब्द समूहों का विस्तृत अध्ययन। ताल के दश प्राणों का विस्तृत विवेचन। मार्ग एवं देशी ताल पद्धतियों का विस्तृत अध्ययन। कर्नाटक ताल पद्धति का सामान्य ज्ञान। उत्तर भारतीय ताल पद्धति का विस्तृत ज्ञान तथा उत्तर भारतीय संगीत में प्रयुक्त तालों की जानकारी। रवीन्द्र संगीत में प्रयुक्त होने वाले तालों का संक्षिप्त अध्ययन।

लय और लयकारी का विस्तृत अध्ययन। हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक तालांकन पद्धतियों का विस्तृत ज्ञान। स्टाफ नोटेशन पद्धति का सामान्य ज्ञान

शास्त्रीय, उपशास्त्रीय, वाद्य संगीत एवं कथक नृत्य के साथ तबला संगति। ताल और रन्ध का अंतःसम्बन्ध। विभिन्न मात्राओं में तिहाइयों बनाने का ज्ञान। तिहाइयों का विस्तृत अध्ययन - दमदार, बेदम, नौहक्का, चक्रदार तिहाइयाँ। साधारण, फर्माइशी एवं कमाली चक्रदारों का गणितीय विवेचन। चक्रदार-गत, चक्रदार टुकड़ा एवं चक्रदार परनों के अंतर का ज्ञान।

आचार्य बृहस्पति द्वारा दिये गये बत्तीस तिहाइयों के चक्र का ज्ञान।

इकाई - 6 भारतीय संगीत - इतिहास, ग्रंथ एवं संगीत-विद्वानों का योगदान

भरत, शारंगदेव, मंतग, पार्ष्वदेव, नान्यदेव, रामामात्य, सोमनाथ, दामोदर पंडित, अहोबल, वेंकटमखी, वि.ना. भगतखण्डे, वि.दि. पलुस्कर, पुण्डरीक चिट्टल, सुभद्रा चौधरी, निखिल घोष, मधुकर गणेश गोडबोले, स्वामी पागलदास, पुरुषोत्तमदास पखावजी, गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव, भगवत शरण शर्मा, प्रो. सुधीर कुमार सक्सेना, डॉ. अबान मिस्त्री, डॉ. योगमाया शुक्ला, अरविन्द मुलगांवकर, सुधीर माईणकर, अरूण कुमार सेन, छोटेलाल मिश्रा।

ग्रंथ :- नाट्यशास्त्र, संगीत रत्नाकर, बृहद्देशी, संगीत समय मार, संगीत राज, अष्टोत्तरशतताल लक्षणम्, भारतीय संगीत वाद्य, तबले का उद्गम, विकास एवं वादन शैलियाँ, भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन, पखावज एवं तबले के घराने एवं परम्परायें, तालकोश तबला वादन - कला एवं शास्त्र, 'तबला', भारतीय तालों में अनेकता में एकता, एस्थेटिक्स ऑफ तबला। तबला पुराण, ताल वाद्य परिचय, तबला ग्रन्थ मंजूषा; लय ताल विचार मंचन, तबला वादन में निहित सौंदर्य, सोलो तबला ड्रमिंग ऑफ नार्थ इंडिया, तबला ऑफ लखनऊ; ताल वाद्य शास्त्र, भारतीय संगीत में ताल, छंद एवं रूप विधान।

इकाई - 7 अवनद्ध वाद्यों में प्रयुक्त होने वाली रचनाओं का विस्तृत अध्ययन

०३७

बंदिश की परिभाषा :- बंदिशे, (विस्तारशील एवं अविस्तारशील बंदिशें), बंदिशों का सौन्दर्य, प्रस्तुतिकरण की विशेषता।

ठेका, पेशकार, कायदा, कायदे के प्रस्तार एवं पल्ले, बाट, रेला, रौं, दुकड़ा, मुखड़ा, गत एवं उसके विभिन्न प्रकार रंगरेला, फ़र्द, परन, तिहाईयां और उनके प्रकार, विभिन्न घरानों की गतें और उनके कायदे, लग्गी-लड़ी।

शास्त्रीय, उपशास्त्रीय गायन एवं वाद्यों में प्रचलित रचनाओं का अध्ययन - ख्याल, मसीतखानी गत, रजाखानी गत, हुमरी, दादरा, टप्पा, कजरी, चैती, ध्रुपद, धमार, सादरा, झूला, भजन, गज़ल, गीत।

कथक नृत्य की रचनाओं का सामान्य ज्ञान - आमद, परन, ततकार, तोडा, स्तुतिपरन।

इकाई - 8 भारतीय संगीत वाद्यों का वर्गीकरण, प्राचीन काल से वर्तमान तक के वाद्यों की जानकारी

भारत, शारंगदेव तथा डॉ. लालमणि मिश्र के विवेचन के आधार पर भारतीय संगीत वाद्यों का वर्गीकरण।
उत्पत्ति, विकास, बनावट एवं वादन तकनीक के आधार पर निम्नलिखित वाद्यों का विस्तृत अध्ययन :-

अ) तत वाद्य - वीणा, विचित्र वीणा, नारदीय वीणा, सरस्वती वीणा, रूद्ध वीणा, सितार, सरोद, सारंगी, वायलिन, दिलरूबा, इसराज, संतूर, सुरबहार, तानपुरा, गिटार, एकतारा, दोतारा।

आ) सुषिर वाद्य - बांसुरी (फ्लूट), शहनाई, नागम्बरम्, क्लेरोनेट, अलगोजा, सुन्दरी, मागुटी।

इ) अवनद्ध वाद्य - पणव, पटह, मृदंग, पखावज, तबला, मंदृगम्, तबिल, खंजरी, खोल, चेन्डा, चंग, उपंग, डफ, नक्कारा, ढोल, ढोलक, संवल, ढोलकी, नाल, हुडुक्का, पुंगा।

ई) घन वाद्य - जलतरंग, नालतरंग, घटम, मोरसिंग, चिपली, जालरा, करताल, झांझ, मंजीरा।

पाश्चात्य संगीत में प्रचलित लोक प्रिय अवनद्ध वाद्य एवं घनवाद्य - कीटलड्रम, स्नेयरड्रम, ब्रासड्रम, टेनरड्रम तथा अन्य प्रमुख वाद्य।

इकाई - 9 कलाकार तथा रचनाकार - (अवनद्ध वाद्यों के विशेष संदर्भ में)

तबला - नत्थू खां, मोदू खां, बख्शू खां, आबिद हुसैन खां, हाजी विलायत अली, सलारी खां, चूडिया इमाम बख्श, राम सहाय, मुनीर खां, हवीबुद्दीन खां, अहमदजान धिरकवा, अमीर हुसैन, जहाँगीर खां, शेख दाउद, बड़े मुन्ने खां, करामतुल्ला खां, अल्लारखा खां, ज्ञान प्रकाश घोष, निखिल घोष, गामा महाराज, किशन महाराज, कण्ठ महाराज, सामता प्रसाद (गुदई महाराज), अनोखे लाल मिश्रा, भाई गायतोण्डे, पंढरीनाथ नागेशकर, सुरेश तलवलकर, हशमत अली खां, ज़ाकिर हुसैन एवं समकालीन तबला - पखावज विद्वान तथा गुरु।

पखावज - कुदउसिंह, जोधसिंह, नाना पानसे, अयोध्या प्रसाद, पागल दास, छत्रपति सिंह, अर्जुन शेजवाल, माधवराव अलकूटकर, सखाराम।

नझारा वादक - दिलावर खान, अत्तन खान।

ढोलक वादक - बफाती खान, गुलाम जाफ़र

ढोलकी वादक - विजय चौहान

कर्नाटक संगीत - गायक एवं वादक

भारत रत्न सुब्बलक्ष्मी, एस.बालचन्द्र, बालमुरली कृष्णन, लालगुडी जयरामन, टी.एन.कृष्णन, पालघाट रघु, पालघाट मणिअय्यर, उमयालपुरम शिवरामन, यू. श्रीनिवासन, विक्कु विनायक राम, हरि शंकर।

उत्तर भारतीय गायक एवं वादक

अल्लाउद्दीन खां, विलायत खां, रविशंकर, अब्दुल हलीम जाफ़र, बलराम पाठक, निखिल बनर्जी, हाफ़िज अली खां, अली अकबर खां, आमजद अली खां, वी.जी.जोग, डी.के. दातार, एन. राजम्, हरी प्रसाद चौरसिया, पन्नालाल घोष, बिस्मिल्ला खां, अली हुसैन, सिध्दराम जाधव, कृष्णराव शंकर पंडित, मोगूवाई कुर्डीकर, केसर झाई केरकर, मल्लिकार्जुन मंसूर, अब्दुल करीम खां, फैयाज खां, भीमसेन जोशी, गंगूवाई हंगल, मालिनी राजुरकर, किशोरी अमोनकर, जसराज, कुमार गंधर्व, अमीर खां।

नृत्यकार - अच्छन महाराज, लच्छु महाराज, सितारा देवी, गोपी कृष्ण, बिरजू महाराज, दुर्गालाल, यामिनी कृष्ण मूर्ति, संयुक्त पाणिग्रही

संगीत, नृत्य, लोक संगीत एवं लोक नृत्यों में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कलाकार - अवनद्ध वाद्यों के विशेष संदर्भ में।

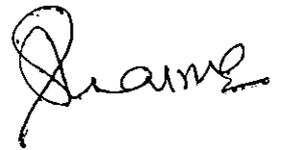
इकाई - 10 अवनद्ध वाद्यों के घरानों का विस्तृत अध्ययन तथा संगीत की संस्थागत शिक्षण प्रणाली :-

- बाज और घराना की परिभाषा

तबला तथा पखावज के घरानों की उत्पत्ति तथा विकास क्रम :- दिल्ली घराना, अजराड़ा घराना, लखनऊ घराना, फरुखाबाद घराना, बनारस घराना, पंजाब घराना, नाना पानसे घराना, कुदउसिंह घराना।

विभिन्न घरानों की वादन तकनीक।

- घरानों के आधार पर पेशकार, कायदा, रेला, गत, टुकड़ा, परन, तिहाई, चक्रदार तथा लगी-लड़ी इन रचनाओं की मुख्य विशेषताएं।
 - शास्त्रीय संगीत, उपशास्त्रीय, सुगम तथा फिल्मी संगीत में तबला एवं पखावज वाद्यों का महत्व एवं उपयोगिता।
- संगीत के प्रचार प्रसार में संलग्न विश्वविद्यालय, अकादमी तथा अन्य संस्थाएं नामचीन प्राध्यापक, गुरु, शिक्षाविद तथा प्रशासक।



MPPSC - SET-2024 SYLLABUS

Subject :Music

Optional - Paper - II

Subject: MUSIC

Code No.:

SYLLABUS

**Hindustani (Vocal, Instrumental & Musicology),
Percussion**

Note:-

- Unit-I, II, III & IV are common to all in music
- Unit-V to X are subject specific in music

Shame

Unit-I

Technical Terms:

Sangeet, Nada: ahata & anahata , Shruti & its five jaties, Seven Vedic Swaras, Seven Swaras used in Gandharva, Suddha & Vikrit Swara, Vadi- Samvadi, Anuvadi-Vivadi, Saptak, Aroha, Avaroha, Pakad / vishesa sanchara, Purvanga, Uttaraanga, Audava, Shadava, Sampoorana, Varna, Alankara, Alapa, Tana, Gamaka, Alpatva-Bahutva, Graha, Ansha, Nyasa, Apanyas, Avirbhav, Tirobhava, Geeta; Gandharva, Gana, Marga Sangeeta, Deshi Sangeeta, Kutapa, Vrinda, Vaggeyakara Mela, Thata, Raga, Upanga ,Bhashanga ,Meend, Khatka, Murki, Soot, Gat, Jod, Jhala, Ghaseet, Baj, Harmony and Melody, Tala, laya and different layakari, common talas in Hindustani music, Sapta Talas and 35 Talas, Taladasa pranas, Yati, Theka, Matra, Vibhag, Tali, Khali, Quida, Peshkar, Uthaan, Gat, Paran, Rela, Tihai, Chakradar, Laggi, Ladi, Marga-Deshi Tala, Avartana, Sama, Vishama, Atita, Anagata, Dasvidha Gamakas, Panchdasa Gamakas ,Katapayadi scheme, Names of 12 Chakras, Twelve Swarasthanas, Niraval, Sangati, Mudra, Shadangas , Alapana, Tanam, Kaku, Akarmatrik notations.

Unit-II

Folk Music

Origin, evolution and classification of Indian folk song / music.

Characteristics of folk music.

Detailed study of folk music, folk instruments and performers of various regions in India.

Ragas and Talas used in folk music

Folk fairs & festivals in India.



Unit-III

Rasa and Aesthetics:

Rasa, Principles of Rasa according to Bharata and others.
Rasa nishpatti and its application to Indian Classical Music.
Bhava and Rasa
Rasa in relation to swara, laya, tala, chhanda and lyrics.
Aesthetics according to Indian and western Philosophers.
General knowledge of 64 kalas according to Vatsyayan
General history of Raga-Ragini Paintings and Raga Dhayana.
Interrelation of Fine Arts.

Unit-IV

Research Methodology and Pedagogy, Avenues, Interdisciplinary aspects and Modern Technology:

Research Pedagogy: Research areas, review of literature, selection of suitable research topics and research problems, Methodology of Music research, Preparing synopsis, Data collection and its sources, Analysis of data collection, Writing project report, Research project Indexing, references and bibliography etc.

Research Avenues and its Interdisciplinary aspects: Music and Literature, Music Therapy; Philosophy, Psychology, Physics, Mathematics, Economics, Social Sciences, Religion and Culture.

Modern Technology: Electronic equipments, computer, internet etc.

New trends in Indian Music in post-independence era.



HINDUSTANI MUSIC

(VOCAL, INSTRUMENTAL AND MUSICOLOGY)

Unit-V

Applied Theory:

Detail study of Sangeet Utpatti; Musical scales (Indian and western); Detail study of Gram, Murchchhana and Chatussarna; Jaati Lakshana, Jaati Bhed, concept of Raag, Raag-Lakshan.

Classification of Raag: 1) Gram Raag and Deshi Raag Classification 2) Male Raag classification 3) Thaat Raag classification 4) Shuddha, Chhayalag and Sankeerna Raag classification 5) Raag-Raagini classification 6) Raagang classification; Time theory of Raagas; Placement of shuddha and vikrit swaras on shruties in Ancient, Medieval and Modern Period; Description of popular Raagas and Taalas; Notation systems of Hindustani, Karnataka and Western Music; Merits and demerits of a vocalist (Gayak); Remix, Fusion, Orchestra, Coir and Acoustic; Comparative studies of Hindustani and Karnatak Swaras and Taalas; Karnatak names of Popular Hindustani Ragas; Knowledge of different Layakaaries such as dugun, Tigun, Chaugun, Aad, Kuad and Viaad.

Unit-VI

History of Indian Music, contribution of Musicologists and their textual tradition:

Study of the Historical Development of Hindustani Music from Vedic to Modern period;

Ancient Medieval and Modern Musicologist and Scholars:- Bharat, Naarad, Matang, Someshwardev, Jagdekmall, Nanyadev, Sharangdev, Parshwadev,

Shank

Sudhakalash, Maharana Kumbha, Ramamatya, Damodar Pandit, Pt. Ahobal, Shrinivas, Hridayanarayana, Vyankatmakhi, Pt. Vishnu Digambar Palushkar, Pt. Vishnu Narayan Bhatkhande, Pt. Vinayak Rao Patwardhan, Pt. Omkarnanath Thakur, Acharya Birhaspati, Thakur Jaidev Singh, Sharachchandra Shridhar Paranjape, Bhagwat Sharan Sharma, Dr. Prem Lata Sharma, Dr. Subhadra Choudhary, Prof. R.C. Mehta, Prof. Pradeep Kumar Dixit.

Study of ancient, Medieval and Modern Treatises in Indian Music like Natya Shastra, Nardiya Shiksha, Sangeet makarand, Brihaddeshi, Manasollaas, Sangeet Chudamani, Bharat Bhashya, Sangeet Ratnakar, Sangeet Samaysar, Sangeetopanishatsaaroddhar, Sanageet Raj, Swaramalekalanidhi, Sangeet Darpan, Sangeet Paarijaat, Raga Tatvavibodh, Hridaya Kautuk, Hridaya Prakash, Chaturdandi Prakashika, Sangeet Chintamani, Pranavbharati etc.

Contribution of Western Scholars to Indian Music:

Capt. N.A. Willard William Johnes, Capt. C.R. Day, E. Clements, Fox Strangways, H.A. Popley & Alain Danielou.

Unit-VII

Compositional forms and their evolution:

Prabandh, Dhrupad, Dhamaar, Saadra

Kheyaal, Tarana, Trivat, Chaturang, Sargam Geet, Lakshan Geet, Raagmaala etc.

Thumri, Dadra, Tappa, Hori, Kajri, and Chaiti etc.

Light Music: Geet, Gazal and Bhajan etc.

Firozkhani Gat, Maseetkhani Gat, Razakhani Gat and Zafarkhani Gat and its kind.

Jaati, Javali, Kriti, Tillana, Raagam, Taanam, Pallavi.



Origin, development and presentation of above said vocal and instrumental compositions

Popular artists in the field of abovesaid forms.

Unit-VIII

Musical Instruments and its Classification

Classification of Indian Musical Instruments in Ancient, Medieval and Modern period

Different types of Veenas in ancient period

Tat - Sitar, Sarod, Violin, Dilruba, Israj, Santoor, Tanpura, Surbahhar, Guitar.

Ghan - Jaltarang, Ghatam, Morsing, Chipali, Manjeera, Jhanjh, Kartal

Sushir - Flute and its varieties, Shehnai, Nagaswaram, Harmonium

Avanaddha - Pakhawaj, Tabla, Mridangam, Kanjira, Khol, Chang, Nakkara, Duff, Hudaka, Dholak.

Origin, evolution, playing techniques and famous artist of these Instruments



Unit-IX

Contribution of composers / performers to Indian Music:

Tansen, Haridas, Gopal Nayak, Sadarang, Pandit Balkrishna Bua Ichalkaranjkar, Pandit Vishnu Digambar Palushkar, Pandit Vishnu Narayan Bhatkhand, Ustaad Faiyaz Khan, Ustad Bade Gulam Ali Khan, Ustad Nisaar Hussain Khan, Pandit Omkar Nath Thakur, Pandit Vinayak Rao Patwardhan, Pandit Naryan Rao Vyas, Pandit C.R. Vyas, Pandit Krishna Rao Shankar Pandit, Pandit Mallikarjun Mansoor, Smt Gangubai Hangal, Kesar Bai Kerkar, Abdul Kareem Khan, Heerabai Barodekar, Suhasini Koretkar, Bade Ramdas, Siddheswari Devi, Begham Akhtar, Shobha Gurtu, Girija Devi, Savita Devi, Moghubai Kurdikar, Kishori Amonkar, Pandit Kumar Gandharv, Pandit Jasraj, Pandit Balvant Rai Bhatt. Pt. Ramashraa Jha.

Asad Ali Khan, Pt. Lal Mani Mishra, Abdul Halim Zafar Khan, Ali Akbar Khan, Sharan Rani, Amjad Ali Khan, Anath Lal, Panna Lal Ghosh, Vijay Raghav Rao, Ragunath Seth, Hari Prasad Chaurasia, Ahmad Jaan Thirakava, Pt. Samta Prasad, Kishan Maharaj, Kudau Singh, Paagal Das, Brij Bhooshan Kabra, Vishwa Mohan Bhatt, Shiv Kumar Sharma, Bhajan Sopori, M.S. Gopal Krishnan, V.G. Jog, N. Rajam, Appa Jalgaonkar, Mehmood Dhaulpuri.

Recipient of Bharat Ratna:-

M.S. Subbhalakshmi, Pt. Ravi Shankar, Utsad Bismillah Khan, Lata Mangeshkar and Pt. Bhim Sen Joshi.

Purandar Das, Shyam Shastri, Mutthuswami Dixitar, Tyagraja, Swathi Tirunal

Bach, Beethoven, Mozart, Yahudi Menuhin,



Unit-X

Gharana and Institutional System and conferences of Hindustani Music:

General study of origin and development of Gharana.

Institutionalised system and their contribution to Hindustani Music.

Four baanies of Dhrupad and its importance to Hindustani Music.

General study of various Gharanas of Dhrupad Kheyal and Instrumental Music.

Special features of Gharanas in vocal and Instrumental Music and its famous artists.

Purab and Punjab Angas of Tumari.

Important music conferences in India.

National and International awards in the field of music.

Contribution of Music educational institutes Akademies, Prasar Bharati,

Song and Drama Division and Film in Indian Music.

A handwritten signature in black ink, appearing to read 'Ramo' with a stylized flourish at the end.

PERCUSSION

Unit-V

Applied Theory – Taal & Avanadhavadhya:

Description and playing techniques of Varna's and their combinations in Tabla and Pakhwaj instruments. Ten Pranas of Taal (detailed study). Detailed study of Margi and Deshi Taal system (Paddhati), knowledge of Karnataka Taal system: Detailed knowledge of Uttar Bhartiya Taal Padhati and Taalas used in Uttar Bhartiya Sangeet. A brief knowledge of Taalas used with Rabindra Sangeet.

Laya and Layakari. Detailed knowledge of Hindustani and Karnatak taal notation system.

Brief knowledge of staff notation system.

Tabla accompaniment with vocal, (classical, semi-classical music) instrumental music and Kathak Dance.

Relationship between Taal and Chhand, Knowledge of composing Tihais of different matras.

Detailed knowledge of Tihai--Damdar, Bedam, Nauhakka and chakradar Tihais.

Mathematical calculation of chakradar- (Sadharan, Firmaishi and Kamali chakradar).

Difference between Chakradar Gat, Chakradar Tukada and Chakradar Paran.

The Chakra of Thirty two tihais describe by Acharya Brihaspati.



Unit-VI

History of Music, Treies and Controbution of Musocoligist:

Bharat, Sharangdeva, Matang, Parashwadev Nanyadev, Ramamatya, Somnath, Damodar Pandit, Ahobal, Venkatmakhi, V.N. Bhatkhande, V.D. Paluskar, Pundarik Vitthal, Dr. Subhadra Chaudhary, Nikhil Ghosh, Madhukar Ganesh Godbole, Swami Pagal Das, Purshottam Das Pakhawaji, Girish Chandra Shrivastava, BhagawatSharan Sharma, Prof. Sudhir Kumar Saxena, Dr. Aban Mistry, Dr. Yogmaya Shukla, Arvind Mulgaonkar, Sudhir Mainkar, Dr. Arun Kumar Sen, Chhote Lal Mishra.

Detailed study of the following texts:

Natya Shastra, Sangeet Ratnakar, Bruhad Deshi, Sangeet Samyasar Sangeet Raj, Ashtottar Shat Taal, Lakshanam, Bhartiya Sangeet Vadya, Table Ka Udagam Vikas avam Vadan Shailiyan, Bhartiya Talon Ka Shastriya Vivechan, Pakhawaj avam Table ke Gharane avam, Parmparayen, Taal Kosh, Tabla Vadan Kala avam Shastra, Tabla, Bhartiya Taal Men Anekata Mein Ekta, Aesthetics of Tabla, Tabla Puran, Taal Vadya Parichaya, Tabla Granth Manjusha, Laya Taal Vichar Manthan, Tabla Vadan Mein Nihit Saundaraya, Solo Tabla Drumming of North India, Tabla of Lucknow, Taal Vadya Shashtra, Bhartiya Sangeet Men Taal, Chand Avam Roop Vidhan.

Unit-VII

Detailed study of Compositional Forms of avanaddha vadyas

Definition of Bandish - expandable and nonexpandable compositions.

The aesthetics of bandishen. Importance of presentation of Bandishen

Detailed study of Theka, Peshkar, Quaida and its prastar (Paltas), Bant, Rela, Rau, Tukda, Mukhada, Gat and its various kinds, Rang-Rela, Fird, Paran,

Tihaies of various kinds. Gats and Quaidas of different Gharanas, Laggi-Ladi.

Study of different compositions popular in classical vocal, Semi-Classical and instrumental music:- Khayal, Masitkhani Gat, Raza Khani Gat, Thumari, Dadra, Tappa, Kajari, Chaiti, Dhrupad, Dhamar, Sadra, Jhoola, Bhajan, Gazal, Geet.

General Knowledge of compositions used in Kathak dance:- Aamad, Paran, Tatkar, Toda, Stuti Paran.

Unit-VIII

Classification of Musical Instruments, descriptions of Musical Instruments from Ancient to present period in India.

Classification of Indian Musical Instruments as per described by Bharat, Sharangdev and Dr. Lalmani Mishra.

Detailed study of Origin, Evolution, Structure and playing technique of the following instruments:-

- a) Tat Vadya:- Veena, Vichitra Veena, Naradiya Veena, Saraswati Veena, Rudra Veena, Sitar, Sarod, Sarangi, Violin, Dilruba, Israj, Santoor, Surbahar, Tanpura, Guitar, Eaktara, Dotara.
- b) Sushir Vadya:- Flute, Shehanai, Nagasvaram, Claronate, Algoza, Sundari, Maguti.
- c) Avanaddha Vadya:- Panav, Patah, Mirdang, Pakhawaj, Tabla, Mridangam, Taval, Khanjira, Khol, Chenda, Chang, Upang, Duff, Nakkara, Dhol, Dholak, Sambal, Dholaki, Naal, Huddaka, Pung.
- d) Ghana Vadya:- Jal-Tarang, Nal-Tarang, Ghatam, Morsinq, Chiqli, Jalra, Kartaal, Jhanjh, Manjira.

Popular percussion instruments used in Western Music:-

Kittle Drum, Snare Drum, Bass Drum, Tenor Drum and other important percussions.

Unit-IX

Performer & Composers:-

Tabla:- Natthu Khan, Modu Khan, Bakshu Khan, Abid Hussian Khan, Haji Vilayat Ali, Salari Khan, Chudiya Imam Baksh, Ram Sahay, Munir Khan, Habibuddin Khan, Ahmemadjan Thirukuwa, Amir Hussain, Jahangir Khan, Shekh Daud, Bade Munne Khan, Karamtullah Khan, Allarakha Khan, Gyan Prakash Ghosh, Nikhil Ghosh, Gama Maharaj, Kishan Maharaj, Kanthe Maharaj, Samta Prasad (Gudai Maharaj), Anokhe Lal Mishra, Bhai Gaitonde, Pandharinath Nageshkar, Suresh Talwalkar, Hashamat Ali Khan, Zakir Hussain and contemporary tabla and pakhawaj vizards & scholars.

Pakhawaj:- Kudau Singh Jodhsingh, Nana Panse, Ayodhya Prasad, Pagal Das, Chatrapati Singh, Arjun Sejwal, Madhav Rao Alkutkar, Sakhara Ram.

Nakkara Vadak:- Dilawar Khan, Aggan Khan.

Dholak Vadak:- Bafati Khan, Gulam Jafer, Dholki:- Vijay Chauhan.

Karntak Music:- Vocalists and Instrumentalists

Bharat Ratan Subbalakshmi, S. Balchandar, Bal Muralikrishnan, Lalgudi Jairaman, T.N. Krishnan, Palghat Raghu, Palghat Mani Iyer, Umayalpuram Shivraman, U. Srinivasan, Vikku Vinayak Ram, Hari Shankar.

North Indian Vocalist & Instrumentalist:-

Allauddin Khan, Vilayat Khan, Ravishankar, Abdul Haleem Jafer, Balram Pathak, Nikhil Banerjee, Hafeez Ali Khan, Ali Akbar Khan, Amajad Ali Khan, V.G. Jog, D.K. Datar, N Rajam, Hari Prasad Chourasiya, Pannalal Ghosh, Bismillah Khan, Ali Hussain, Siddharam Jadhav, Krishna Rao

Shane

Shankar Pandit, Mogubai Kurdikar, Kesar Bai Kerkar, Mallikarjun Mansoor, Abdul Karim Khan, Faiyaz Khan, Bhimsen Joshi, Gangubai Hangal Malini Rajurkar, Kishori Amonkar, Jas Raj, Kumar Gandharava and Aamir Khan.

Dancers:-

Acchan Maharaj, Lacchu Maharaj, Sitara Devi, Gopi Krishna, Birju Maharaj, Durga Lal, Yamini Krishnamurty Sanyukta Panigrahi and Kalyani Kutti Amma.

All National and International Awardees in the field of Music, Dance, folk music and folk dances with special reference to percussion instrumentalists.

Unit X

Detailed Study of Gharanas and Institutional System in Music

Definition of Baaj & Gharanas.

Historical Evaluation & Developments of Gharanas of Tabla & Pakhawaj, Delhi Gharana, Ajarada Gharana, Farrukhabad Gharana, Lucknow Gharana, Benaras Gharana, Punjab Gharana, Nana Panase Gharana, Kudau Singh Gharana.

Varna Nikas (Playing Technique) in different Gharanas.

Main Characteristics of Peshkar, Quida, Rela, Gat, Tukada, Paran, Tihai, Chakradar & Laggi Ladi on the basis of Gharanas.

Importance and utility of Tabla & Pakhawaj in classical music, semi classical, sugam & film music.

Universities, Academies and other institutions, Renowned Professors, Gurus, Academicians, Administrators who are propagating music.